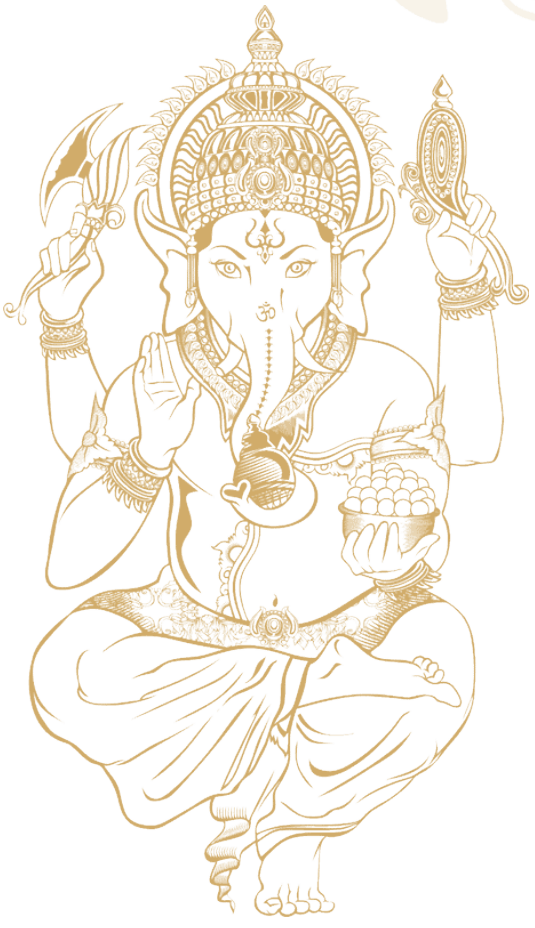

Mr. Shriyank

Ms.riddhi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119858303

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/03/1995	जन्म तिथि	14-15/01/1996
शुक्रवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 17:17:10	जन्म समय	02:35:50 घंटे
घटी 27:50:05	जन्म समय(घटी)	49:17:19 घटी
India	देश	India
Katni	स्थान	Delhi
23:47:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
80:29:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:04	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:07	सूर्योदय	07:15:27
18:19:56	सूर्यास्त	17:44:39
23:47:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:13

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 12वर्ष 10मा 23दि	25:55:54	सिंह	लग्न	तुला	25:55:04	राहु 9वर्ष 10मा 0दि
मंगल	09:34:42	मीन	सूर्य	मक	00:10:43	शनि
16/02/2024	18:04:03	धनु	चंद्र	तुला	12:42:52	15/11/2021
15/02/2031	19:22:20	कर्क व	मंगल	मक	11:14:02	15/11/2040
मंगल 14/07/2024	20:53:54	कुंभ	बुध व	मक	08:58:44	शनि 18/11/2024
राहु 01/08/2025	21:29:21	वृश्चि	गुरु	धनु	08:47:00	बुध 29/07/2027
गुरु 08/07/2026	01:45:17	कुंभ	शुक्र	कुंभ	05:49:12	केतु 06/09/2028
शनि 17/08/2027	23:27:44	कुंभ	शनि	कुंभ	26:39:32	शुक्र 06/11/2031
बुध 13/08/2028	12:16:05	तुला व	राहु व	कन्या	27:46:25	सूर्य 18/10/2032
केतु 09/01/2029	12:16:05	मेष व	केतु व	मीन	27:46:25	चन्द्र 20/05/2034
शुक्र 11/03/2030	05:57:40	मक	हर्ष	मक	06:20:50	मंगल 29/06/2035
सूर्य 17/07/2030	01:25:58	मक	नेप	मक	01:23:48	राहु 05/05/2038
चन्द्र 15/02/2031	06:41:39	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	08:34:14	गुरु 15/11/2040

लग्न-चलित

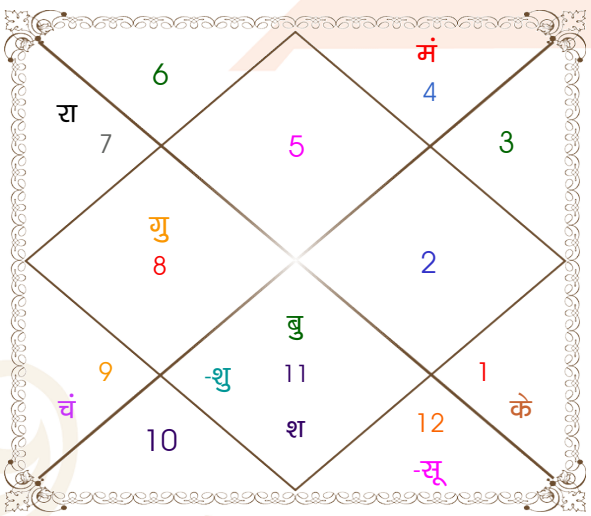

लग्न-चलित

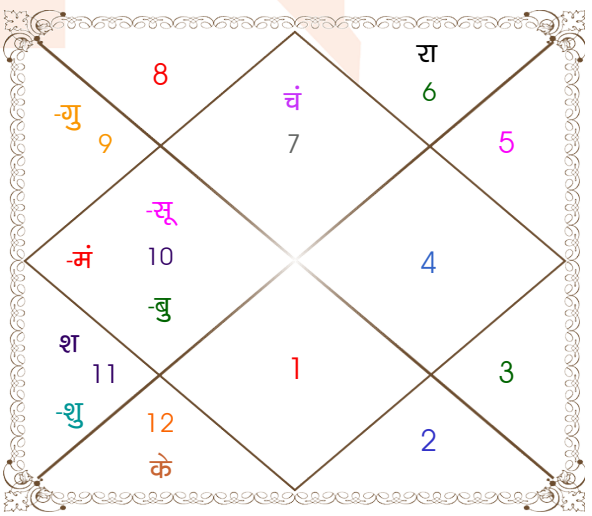

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

डतण्ौतपलंदा का वर्ग सर्प है तथा Ms.riddhi का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ौतपलंदा और Ms.riddhi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ौतपलंदा मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्ौतपलंदा कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण्ौतपलंदा कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.riddhi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.riddhi कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms.riddhi कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डतर्ण्ौतपलंदा कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतर्ण्ौतपलंदा तथा Ms.riddhi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।